अनुमोदित

2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातक पाठ्यक्रम

विषय – संगीत

सत्र - 2018-19

संकाय – कला

(नियम, परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम)

24/4/2018

24.4.2018

24/4/18

24/4/18

(62)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष सैध्दांतिक–प्रथम प्रश्न पत्र सत्र– 2017–18

पूर्णांक– 30

उत्तीर्णांक–11

आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक प्रथम प्रश्नपत्र मे निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

इकाई–1

परिभाषाएँ

अ. संगीत, स्वर, अलंकार सप्तक, थाट, राग।

ब. आरोह, अवरोह, पकड़, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी।

इकाई–2

निम्नलिखित **रागों का दोहा, आरोह–अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण** –

अ. यमन, बिलावल, खमाज।

ब. उपरोक्त रागों के प्रांरभिक पाँच अलंकारो का लेखन/अभ्यास।

इकाई–3

अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे की स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।

ब. सामान्य ज्ञान -- सरगम, लक्षणगीत एवं छोटाख्याल।

इकाई–4

अ. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के दस थाट एवं उनके सांकेतिक चिन्ह।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. छोटाख्याल

इकाई–5

अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे जी का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित) –
त्रिताल, एकताल।

Desarv Chale 24/4/18

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष सैध्दांतिक–द्वितीय प्रश्न पत्र सत्र– 2017–18

पूर्णांक– 30

उत्तीर्णांक–11

आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

इकाई–1

परिभाषाएँ

अ. नाद, श्रुति, पूर्वांग, उत्तरांग, आश्रय राग।

ब. वर्जित स्वर, वक्र स्वर, कण स्वर, मींड, वर्ण।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण– भैरव, काफी, आसावरी।

ब. उपरोक्त रागों के प्रारंभिक पाँच अलंकारों का लेखन/अभ्यास।

इकाई–3

अ. राग–जाति का सामान्य अध्ययन (औडव, षाडव, संपूर्ण)।

ब. राग की 09 उपजातियाँ।

इकाई–4

अ. शुद्ध, छायालग, संकीर्ण राग।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. छोटाख्याल

इकाई–5

अ. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन (मात्रा, बोल, चिन्ह सहित)–
झपताल, चौताल।

Desaim Chakraborti 24/4/18

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष

सत्र– 2017–18

प्रायोगिक

पूर्णांक– 70

उत्तीर्णांक– 23

सैध्दांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी–

(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

1. समस्त रागों में प्रारंभिक पांच अलंकारो का गायन।
2. समस्त रागों में आरोह, अवरोह, पकड एवं सरगम का गायन।
3. समस्त रागों में लक्षणगीतों का गायन।
4. समस्त रागों में छोटा ख्याल का गायन।
5. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली देकर प्रस्तुति–
   त्रिताल, एकताल, झपताल एवं चौताल।
6. भजन, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, मध्यप्रदेश गीत का गायन।